।। ॐ अर्हन् ।।

**श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड**

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)**

# जैन सिद्धान्त परिचय

**वीर संवत् २५४८** **प्रथम खण्ड - मौखिक**

**सन् २०२३** **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

**परीक्षा क्रमांक : ............** **केन्द्र का नाम : .........................**

---

## ( जैन पाठावली - भाग १ )

**प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए।** **( ५ )**

१. महात्मा का तीसरे नंबर का शिष्य कैसा था? .........................

२. कौन से कक्षा की सूची बहुत लंबी थी? .........................

३. गलती से सब्जी कैसे बन गई? .........................

४. देर से उठना कैसी आदत है? .........................

५. माता पिता किसके रूप हैं? .........................

**प्रश्न २. सही या गलत पहचानिए।** **( ५ )**

१. पंच परमेष्ठि में आचार्य का तीसरा नंबर है। .........................

२. ऋषभदेव भगवान का चिन्ह सिंह है। .........................

३. सुधर्मा स्वामी पांचवें गणधर है। .........................

४. उपाध्याय के छत्तीस गुण हैं। .........................

५. आसन बैठने का साधन है। .........................

**प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **( ५ )**

१. सिद्ध प्रभु के अनुयायी है, .............................. धर्म मन भाया है।

२. अहिंसा के .............................. है हम बीर सच्चे।

३. देव हमारे हैं .............................. और गुरु हमारे है निग्रंथ।

४. कडवे बोल .............................. दहलाते।

५. सूत्र हमारा सत्य निधान, धर्म हमारा .............................. प्रधान।

**प्रश्न ४. ये कौन है?, पहचानिए।** **( ५ )**

१. हमारे प्रथम गणधर .........................

२. हमारे दूसरे परमेष्ठि .........................

३. हमारे २३ वें तीर्थंकर .........................

४. हमारे गुरु .........................

५. हमारा धर्म .........................

**प्रश्न ५. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए।** **( १० )**

| **नाम** | **तीर्थंकर / गणधर** | **नंबर** |
|---|---|---|
| १. मेतार्यजी | ......................... | .......... |
| २. शांतिनाथजी | ......................... | .......... |

| नाम | तीर्थंकर / गणधर | नंबर |
|---|---|---|
| ३. अकंपितजी | ........................ | ........... |
| ४. नमिनाथजी | ........................ | ........... |
| ५. महावीर स्वामीजी | ........................ | ........... |

**प्रश्न ६ 'विद्वत्वं च नृपत्वं च.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए।** **( ५ )**

**प्रश्न ७ 'गिनती गीत' कविता पूर्ण बोलिए।** **( ५ )**

**प्रश्न ८** **( १० )**

सूचना – गाडी के कुछ डिब्बों पर उनके नाम/नंबर लिखे है और कुछ छुट गये है। आप क्रमशः उनके नाम/नंबर लिखिए।

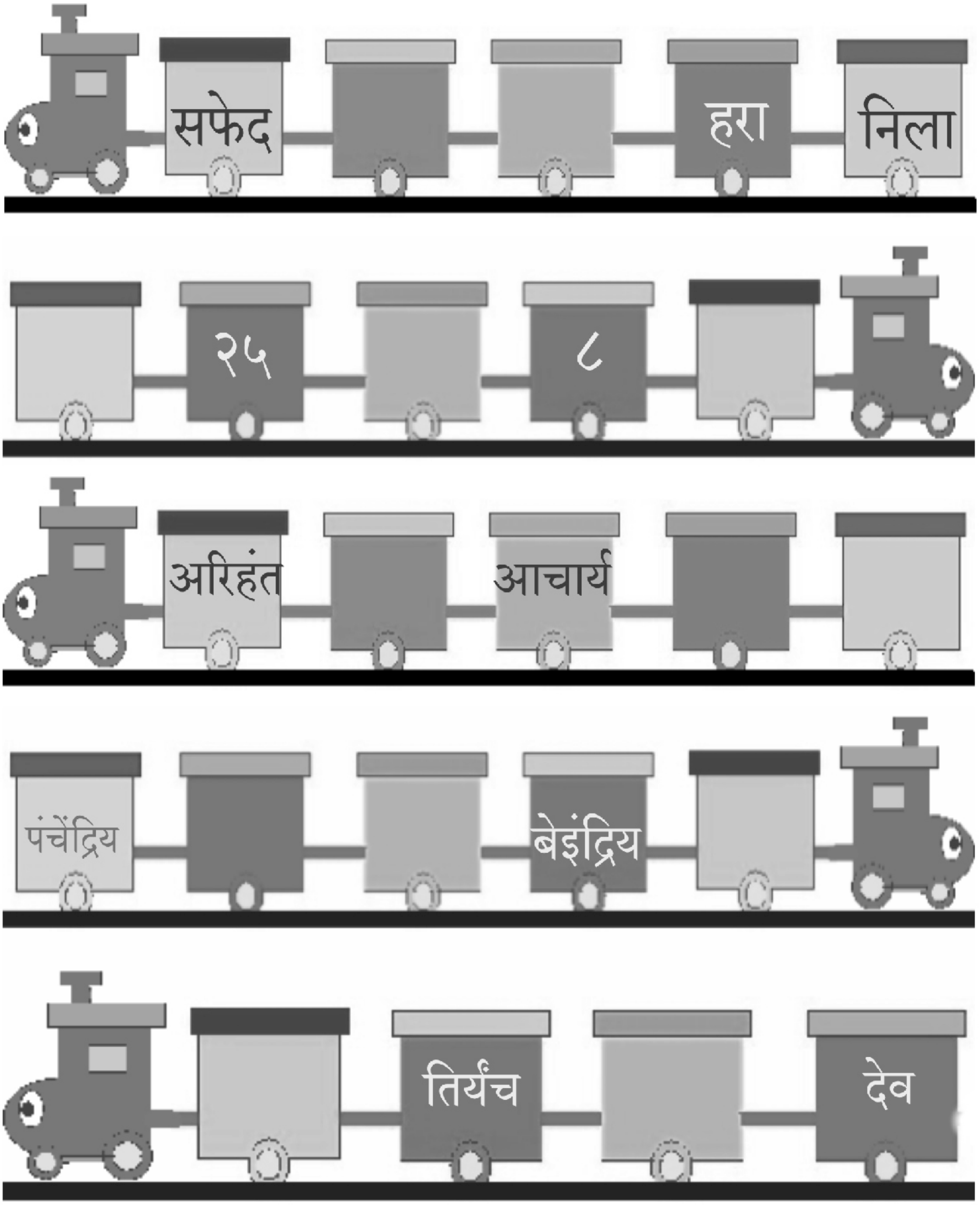

।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)**

## जैन सिद्धान्त परिचय

**वीर संवत् २५४८** **प्रथम खण्ड – लेखी**

**सन् २०२३** **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

**परीक्षा क्रमांक : ............** **केन्द्र का नाम : .........................**

---

### ( जैन पाठावली – भाग १ )

**प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए।** **( १० )**

१. अभयकुमार ने राज महल में किसके जैसा वातावरण निर्माण किया? .........................

२. प्रमदवन में बालक कौन सा खेल खेलने में निमग्न थे? .........................

३. श्रद्धा के साथ नवकार मंत्र का जाप कौन करने लगा? .........................

४. भगवान महावीर के प्रति आपकी कैसी श्रद्धा है? .........................

५. आपका सभी जीवों के साथ कैसा भाव है? .........................

६. महात्मा का तीसरे नंबर का शिष्य कैसा था? .........................

७. कौन से कक्षा की सूची बहुत लंबी थी? .........................

८. गलती से सब्जी कैसे बन गई? .........................

९. देर से उठना कैसी आदत है? .........................

१०. माता पिता किसके रूप हैं? .........................

**प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **( १० )**

१. सिद्ध प्रभु के अनुयायी है, ............................... धर्म मन भाया है।

२. अहिंसा के ............................... है हम बीर सच्चे।

३. देव हमारे हैं ............................... और गुरु हमारे है निग्रंथ।

४. कडवे बोल ............................... दहलाते।

५. सूत्र हमारा सत्य निधान, धर्म हमारा ............................... प्रधान।

६. सदा करो तुम ............................... बात।

७. ज्ञान की बहाएंगे ............................... धारा।

८. गुरु चरणों में ............................... झुकाना।

९. कोई बहलाये या ............................... तो, मम्मी पापा को तुरंत बताना।

१०. गुरु चरणों में हम ............................... करें।

**प्रश्न ३. सही या गलत पहचानिए।** **( १० )**

१. पंच परमेष्ठि में आचार्य का तीसरा नंबर है। .........................

२. ऋषभदेव भगवान का चिन्ह सिंह है। .........................

३. एकेंद्रिय आदि तीन जातियां हैं। .........................

४. सुधर्मा स्वामी पांचवें गणधर है। .........................

५. उपाध्याय के छत्तीस गुण हैं। .........................

६. नरक आदि चार गतियां हैं। .........................

७. आसन बैठने का साधन है। .........................

८. मुनिराज गद्दी पर सोते हैं। .........................
९. अरिहंत का रंग सफेद है। .........................
१०. सिंह जंगल का राजा है। .........................

**प्रश्न ४. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। ( १० )**

१. सुबह शाम का नाम ले ........................... का नाम।( दानव, माता पिता, प्रभु )
२. ........................... समय का नियोजन करने कहती है। ( चाबी, घडी, टीवी )
३. भोजन सिर्फ ........................... के लिए नहीं करें। ( स्वाद, प्रदर्शन, पेट भरने )
४. हमें जानकारियां ........................... देता है। ( पुस्तक, पेपर, समाचार )
५. अपने देश के प्रति हमें ........................... होना चाहिए। ( मोह, स्नेह, प्रेम )
६. अपनी ........................... को स्वीकारें। ( प्रशंसा, गलती, सच्चाई )
७. जरूरतमंद की ........................... करें। ( मजाक, मदद, अवहेलना )
८. आलस ........................... का शत्रु है ( ज्ञान, अज्ञान, मैत्री )
९. सत्य को ........................ करना चाहिए। ( तिरस्कतृ, स्वीकार, अपनाना )
१०. धर्म पर ........................... रखें। ( श्रद्धा, प्रतीति, गति )

**प्रश्न ५. हमारे ये कौन है, पहचानकर लिखिए। ( १० )**

१. हमारे प्रथम गणधर .........................
२. हमारे दूसरे परमेष्ठि .........................
३. हमारे २३ वें तीर्थंकर .........................
४. हमारे गुरु .........................
५. हमारा धर्म .........................
६. हमारा सूत्र .........................
७. हमारे देव .........................
८. हमारा नारा .........................
९. हमारा महामंत्र .........................
१०. हमारे उपकारी .........................

**प्रश्न ६. अंको में जवाब लिखिए। ( १० )**

१. धर्मरुचि अणगार ने सब्जी की कितनी बूंद मिट्टी में डाली? .........................
२. कितने लक्षणों से युक्त बालक की बलि चढ़ानी पड़ेगी? .........................
३. कौन सा अंक जिह्वा को वश में रखने को कहता है? .........................
४. रोहिणेय के कान में भगवान महावीर के कितने वाक्य पहुंचे? .........................
५. माता पिता के सन्मान के लिए कितनी बातें कही है? .........................
६. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प कितने हैं? .........................
७. नमो णाणस्स के कितने गुण हैं? .........................
८. कितने शिष्य बगीचे में गए?. .........................
९. परमेष्ठि कितने हैं? . .........................
१०. गणधर कितने हैं? .........................

**प्रश्न ७. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए।** **( ५ )**

| नाम | तीर्थंकर / गणधर | नंबर |
|---|---|---|
| १. मेतार्यजी | ........................ | .......... |
| २. शांतिनाथजी | ........................ | .......... |
| ३. अकंपितजी | ........................ | .......... |
| ४. नमिनाथजी | ........................ | .......... |
| ५. महावीर स्वामीजी | ........................ | .......... |

**प्रश्न ८. जोड लगाइए।** **( १० )**

| अ–स्तंभ | ब–स्तंभ | अ–स्तंभ | ब–स्तंभ |
|---|---|---|---|
| १. विद्वान् | अ. कुतो विद्या? | १. | .......... |
| २. मित्ति में | आ. धर्म सर्वस्वं। | २. | .......... |
| ३. क्रमश: | इ. तपः। | ३. | .......... |
| ४. क्षण त्यागे | ई. सर्वत्र पूज्यते। | ४. | .......... |
| ५. प्रथमे नार्जिता | उ. भवन्तु लोकः। | ५. | .......... |
| ६. तत्र | ऊ. द्रव्यमाहुरनुत्तमम्। | ६. | .......... |
| ७. दानमध्ययनं | ए. सव्व भूएसु। | ७. | .......... |
| ८. विद्यैव | ऐ. पूर्यते घटः। | ८. | .......... |
| ९. श्रुयतां | ओ. श्रीरचला ध्रुवम्। | ९. | .......... |
| १०. सर्वत्र सुखी | औ. विद्या। | १०. | .......... |

**प्रश्न ९. ये कौन है, पहचानकर लिखिए।** **( १० )**

१. मां को तकलीफ ना हो इसलिए हलचल बंद करने वाले ........................
२. मां की इच्छा के लिए विद्यालयों का निर्माण करने वाले ........................
३. मां की इच्छा के लिए वनवास स्वीकार करने वाले ........................
४. १० वर्ष की उम्र में प्रतिक्रमण कंठस्थ करने वाले ........................
५. मां की इच्छा के लिए दोनों दांत तोडने वाले ........................
६. बचपन में स्वराज्य की स्थापना करने वाले ........................
७. अंधे माता पिता की इच्छा पूरी करने वाले ........................
८. मां की इच्छा के लिए तेला करने वाले ........................
९. कडवी सब्जी पीकर अपने प्राण त्यागने वाले ........................
१०. राजगृही नगरी के राजा ........................

**प्रश्न १०. 'विद्वत्वं च नृपत्वं च .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए।** **( ५ )**

..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................

प्रश्न ११ सूचना गाडी के कुछ डिब्बों पर उनके नाम / नंबर लिखे है और कुछ छुट गये है। आप क्रमशः उनके नाम / नंबर लिखिए। ( १० )

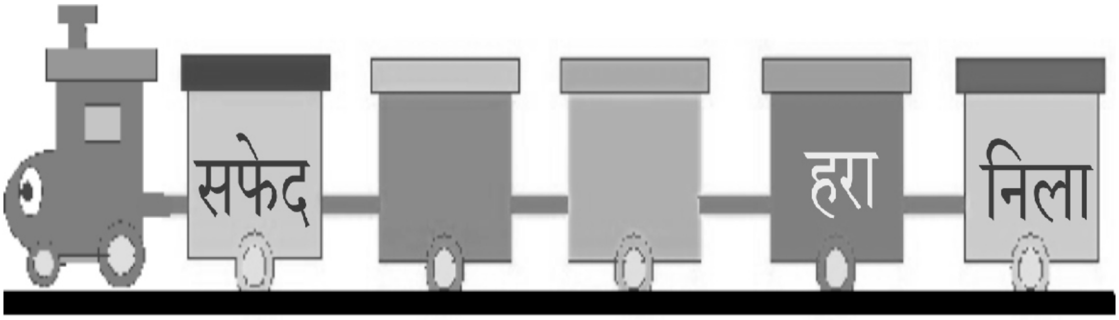


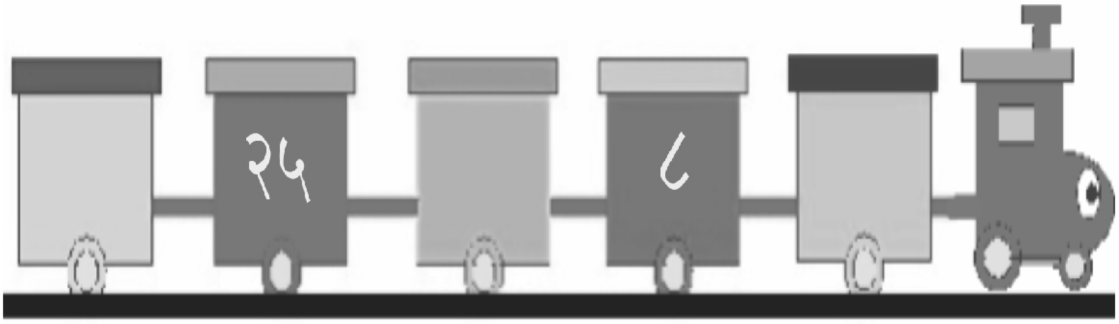


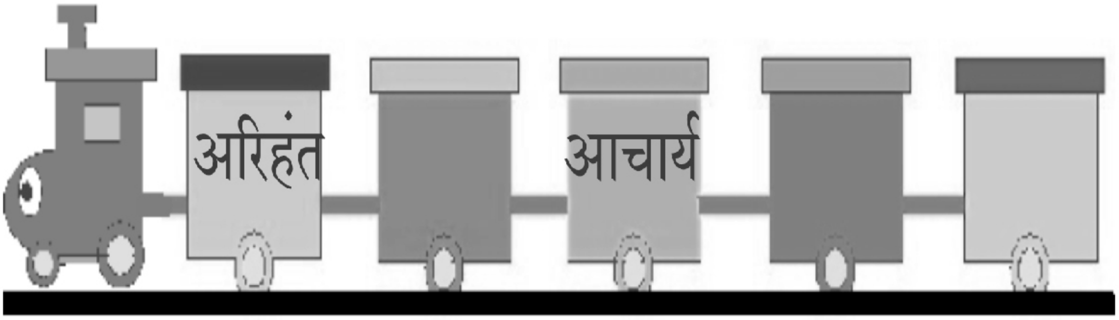


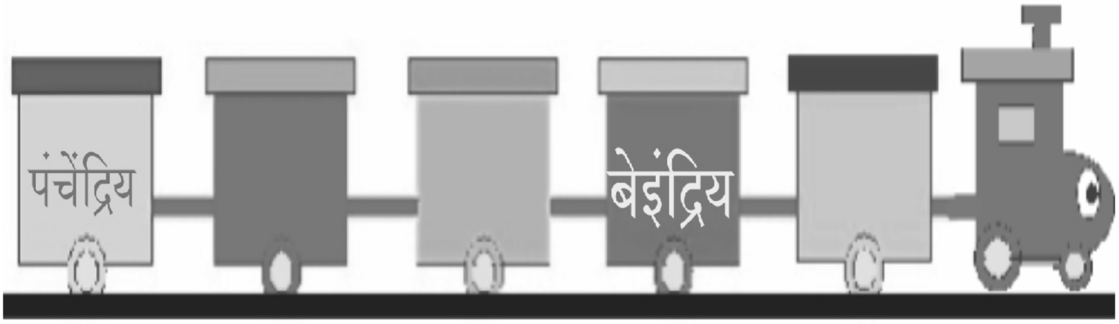


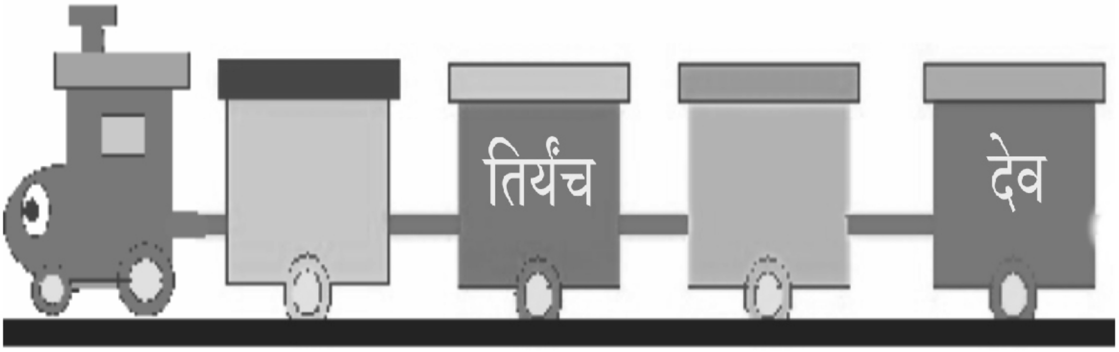

।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

## जैन सिद्धान्त परिचय

**वीर संवत् २५४८** — **द्वितीय खण्ड - मौखिक**

**सन् २०२३** — **समय : सुबह ९ से १२** — **सम्पूर्णांक : ५०**

**परीक्षा क्रमांक : ............** — **केन्द्र का नाम : ........................**

---

### ( जैन पाठावली - भाग २ )

**प्रश्न १. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **( ५ )**

१. ........................ से पूर्ण होते हैं, संकल्प सारे यह जान लो।
२. सागर कहता तुम ........................ बन, गुण रत्नों को देना सीखो।
३. गलत बोलनेवाला ........................, मुसीबतों को देता न्यौता।
४. महक उठे जिससे ........................ मीठी वह बयार है पुस्तक।
५. सुलसा ........................ धर्म दुलारी, सती सुभद्रा शिवा हमारी।

**प्रश्न २. अंकों में जवाब बताइए।** **( ५ )**

१. Success की कितनी सीढीयां हैं? .........................
२. श्यामू के पास कितने मटके थे? .........................
३. सामायिक के साधन कितने हैं? .........................
४. ग्वाले के पास कितने बैल थे? .........................
५. सतियाँ कितनी हैं ? .........................

**प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर बताइए।** **( ५ )**

१. भगवान महावीर के प्रति मेरी दृढ श्रद्धा है। .........................
२. हर कार्य एकाग्रता से करना चाहिए। .........................
३. बडों की बात मान ले तो जीवन अच्छा बनता है। .........................
४. हमेशा व्यर्थ की चिंता करनी चाहिए। .........................
५. किसी चीज के लिए जिद करनी चाहिए। .........................

**प्रश्न ४. एक शब्द में जवाब लिखिए।** **( ५ )**

१. देश-देश की सैर कौन कराती है? .........................
२. जीने के लिए भोजन करना क्या हैं? .........................
३. धार्मिक क्लास को क्या कहते हैं? .........................
४. आज का कार्य कब करना चाहिए? .........................
५. मानव का स्तर किससे बनता है? .........................

**प्रश्न ५. अच्छी आदतें अपनाने के ५ Points बताइए।** **( ५ )**

१. .......................................................................................
२. .......................................................................................

३. ..............................................................
४. ..............................................................
५. ..............................................................

**प्रश्न ६. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। ( ५ )**

| नाम | विहरमान / सती | नंबर |
|---|---|---|
| १. स्वयंप्रभस्वामी | ........................ | .......... |
| २. वीरसेन स्वामी | ........................ | .......... |
| ३. सीताजी | ........................ | .......... |
| ४. सुभद्राजी | ........................ | .......... |
| ५. सुबाहु स्वामी | ........................ | .......... |

**प्रश्न ७ 'तमो धुनीते...........' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। ( ५ )**
**प्रश्न ८ 'इनसे सीखें' कविता पूर्ण बोलिए। ( ५ )**
**प्रश्न ९ ( १० )**

सूचना – चित्रों के अंग्रेजी नाम से सार्थक शब्द तैयार कीजिए। जैसे

स +
सडक

आ +
..............................

सा +
..............................

हॉ +
..............................

+ वर्क
..............................

बा + 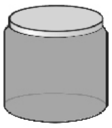
..............................

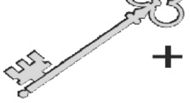 + डि
..............................

+ कुल
..............................

तक +
..............................

प्रा + 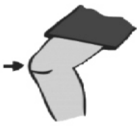
..............................

आं +
..............................

।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)**

## जैन सिद्धान्त परिचय

**वीर संवत् २५४८** **द्वितीय खण्ड - लेखी**

**सन् २०२३** **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

**परीक्षा क्रमांक : ............** **केन्द्र का नाम : ........................**

---

## ( जैन पाठावली - भाग २ )

**प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए।** **( १० )**

१. इन्द्र भगवान महावीर को कौनसे पर्वत पर लेकर गये? .........................

२. भगवान को शीत उपसर्ग किसने दिया? .........................

३. आर्द्रकुमार ने एकांत में क्या खोली? .........................

४. कौनसे देश में धर्म ध्यान होता है? .........................

५. देश-देश की सैर कौन कराती है? .........................

६. जीने के लिए भोजन करना क्या हैं? .........................

७. धार्मिक क्लास को क्या कहते हैं? .........................

८. आज का कार्य कब करना चाहिए? .........................

९. मानव का स्तर किससे बनता है? .........................

१०. अच्छे बच्चें किसे अपनाते हैं? .........................

**प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **( १० )**

१. ........................ से पूर्ण होते हैं, संकल्प सारे यह जान लो।

२. सागर कहता तुम ........................ बन, गुण रत्नों को देना सीखो।

३. गलत बोलनेवाला ........................, मुसीबतों को देता न्यौता।

४. महक उठे जिससे ........................ मीठी वह बयार है पुस्तक।

५. सुलसा ........................ धर्म दुलारी, सती सुभद्रा शिवा हमारी।

६. ........................ का खुला खजाना, वसुधा पर बिखरा दो।

७. नमो सदा ही नमस्कार हो, ........................ मतिमतों को।

८. ........................ को नमक बेस्वाद बनाता।

९. सत्य अहिंसा का ........................ पीऊं।

१०. सूरज निकला हुआ ........................।

**प्रश्न ३. ये सीख किस कहानी की है, पहचानकर लिखिए?** **( ७ )**

१. हमें किसी को अपशब्द नहीं कहने चाहिए। .........................

२. व्यर्थ की चिंताओं से दूर रहना चाहिए। .........................

३. अपने मधुर वाणी से सबका मन जीते। .........................

४. अपने मन की शंका पूछनी चाहिए। .........................

५. माता पिता को सताना नही चाहिए। .........................

६. सदा आगे बढते रहना चाहिए। .........................

७. आहार की शुद्धता होनी चाहिए। .........................

**प्रश्न ४. सही है या गलत पहचानकर लिखिए।** **( १० )**

१. भगवान महावीर के प्रति मेरी दृढ श्रद्धा है। ........................
२. हर कार्य एकाग्रता से करना चाहिए। ........................
३. बडों की बात मान ले तो जीवन अच्छा बनता है। ........................
४. हमेशा व्यर्थ की चिंता करनी चाहिए। ........................
५. किसी चीज के लिए जिद करनी चाहिए। ........................
६. कोई संत रास्ते में दिखे तो उन्हें वंदन नहीं करना चाहिए। ........................
७. अपनी कमजोरियों को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। ........................
८. बच्चों के संस्कारों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। ........................
९. जूठा नहीं डालें। ........................
१०. निर्भिकता से नहीं रहना। ........................

**प्रश्न ५. अंकों में जवाब लिखिए।** **( ८ )**

१. आपके पाठ्यक्रम में कितनी Activities है? ........................
२. Success की कितनी सीढीयां हैं? ........................
३. दृढ आदत डालने में कितने दिन लगते हैं? ........................
४. माता त्रिशला ने कितने स्वप्न देखे थे? ........................
५. श्यामू के पास कितने मटके थे? ........................
६. सामायिक के साधन कितने हैं? ........................
७. ग्वाले के पास कितने बैल थे? ........................
८. सतियां कितनी है? ........................

**प्रश्न ६. अच्छी आदतें अपनाने के ५ Points लिखिए।** **( ५ )**

१. ...........................................................................
२. ...........................................................................
३. ...........................................................................
४. ...........................................................................
५. ...........................................................................

**प्रश्न ७. सुभाषित का पद पूर्ण कीजिए।** **( १० )**

१. ............... मज्झं न केणइ।
२. परहितनिरता भवन्तु ...............।
३. मधुरभाषिणी ...............।
४. ...............स्थितं तोयं।
५. ...............स्त्रिषु कर्तव्यः।
६. तस्माद् ............... सदाचारं।
७. तैलबिंदु ...............।
८. बहुरत्ना ...............।
९. ............... सुमहानहो।
१०. अनुद्यमेन ...............।

**प्रश्न ८. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। ( १० )**

| नाम | विहरमान/सति | नंबर |
|---|---|---|
| १. स्वयंप्रभस्वामी | ...................... | .......... |
| २. वीरसेन स्वामी | ...................... | .......... |
| ३. सीताजी | ...................... | ........... |
| ४. सुभद्राजी | ...................... | ........... |
| ५. सुबाहु स्वामी | ...................... | .......... |

**प्रश्न ९. जोड लगाइए। ( १० )**

| अ–स्तंभ | ब–स्तंभ | अ–स्तंभ | ब–स्तंभ |
|---|---|---|---|
| १. सरोजिनी नायडू | पेंटिंग्ज | १. | ........... |
| २. अतिमुक्तकुमार | शतरंज | २. | ........... |
| ३. तृप्त राज पाण्डे | ऑपरेशन | ३. | ........... |
| ४. इडमुण्ड थामर क्लिन्ट | काव्य रचना | ४. | ........... |
| ५. अर्जित जयस्वाल | ब्रेललिपी | ५. | ........... |
| ६. आर्य वज्र | पढना | ६. | ........... |
| ७. आरविल | ११ अंग | ७. | ........... |
| ८. आदर्श जॉर्ज | दीक्षा | ८. | ........... |
| ९. लुइस ब्रेली | तबला वादक | ९. | ........... |
| १०. देव शाह | वायुयान | १०. | ........... |

**प्रश्न १०. ये वाक्य किसने कहे, लिखिए। ( ५ )**

१. दुनिया की competition में वह पिछड गया तो? ..............................................

२. तुम्हें अपने आप पर शर्म क्यों आती है? ..............................................

३. आंटी, चलो आप, मैं वहीपर जा रहा हूं। ..............................................

४. मैंने कुछ गलत काम किया है? ..............................................

५. आप इधर से उधर क्यों घूम रहे हैं? ..............................................

**प्रश्न ११. 'तमो धुनीते.................' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। ( ५ )**

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

........................................................................................

सूचना – चित्रों के अंग्रेजी नाम से सार्थक शब्द तैयार कीजिए। जैसे

स +

............सडक............

आ +

..........................................

सा +

..........................................

हॉ +

..........................................

+ वर्क

..........................................

बा + 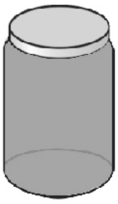

..........................................

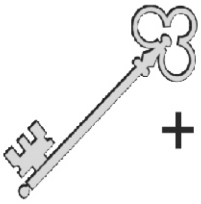 + डि

..........................................

+ कुल

..........................................

तक +

..........................................

प्रा +

..........................................

आं +

..........................................

।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)**

## जैन सिद्धान्त परिचय

**वीर संवत् २५४८** **तृतीय खण्ड - मौखिक**

**सन् २०२३** **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : ५०**

**परीक्षा क्रमांक : ............** **केन्द्र का नाम : .........................**

---

### ( जैन पाठावली - भाग ३ )

**प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए।** **( ५ )**

१. हाथी ने पैर नीचे रखा तो किसके प्राण निकल जाएंगे? .........................

२. मनुष्य कहा रहते हैं? .........................

३. हस्तिनापुर नगर में किसका शासन था? .........................

४. हमारे शत्रु कौन होते हैं? .........................

५. भगवान ने कौनसा धर्म साधु-साध्वीयों के लिए कहा है? .........................

**प्रश्न २. सही या गलत पहचानकर लिखिए।** **( ५ )**

१. धर्मस्थानक को प्राचीन समय में आराधना भवन कहते थे। .........................

२. दूसरों की सुरक्षा से अपनी सुरक्षा हो जाती है। .........................

३. ध्यान-कायोत्सर्ग करना भी तप है। .........................

४. चलते समय जागृति रखनी चाहिए। .........................

५. ॐ णमो णाणस्स एक दर्शनवर्धक माला फेरे। .........................

**प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **( ५ )**

१. कभी भूलकर झूठ न बोले, ......................... न किसी को दिया करे।

२. चोर कौन? ......................... से कमाई करनेवाला।

३. मात-पिता और सभी बड़ों की, मन से ......................... किया करे।

४. ......................... मेरा लीजिए उपकार कीजिए।

५. ......................... तत्त्व के नौ प्रकार ये, जो प्राणी अपनाएंगे।

**प्रश्न ४. अंकों में जवाब लिखिए।** **( ५ )**

१. भ. ने अपने जीवन में आचारण करने के लिए कितने प्रकार के धर्म बताये हैं? .........................

२. कितने मित्र भगवान के मंदिर में दर्शन के लिये जा रहे थे? .........................

३. हर युग में कितने अरिहंत मुख्य होते हैं? .........................

४. सम्पूर्ण विश्व के कितने भाग होते हैं? .........................

५. चीटी को कितनी इन्द्रियां होती है? .........................

**प्रश्न ५. ये शब्द किसके बारे में आये हैं पहचानिए।** **( ८ )**

( **शब्दसूची -** स्वयं संबुद्ध, नेतृत्व शक्ति, देवाधिदेव, देशना,
स्नेहभाव, पू. आनंदऋषिजी म.सा., भ. महावीर, निर्मलता। )

| देव | गुरू |
|---|---|
| ........................................ | ........................................ |
| ........................................ | ........................................ |
| ........................................ | ........................................ |
| ........................................ | ........................................ |

प्रश्न ६ पांचवां बोल पूर्ण बोलिए। ( २ )

प्रश्न ७ 'गलन् मधुरसा..........' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। ( ५ )

प्रश्न ८ 'एकता' कविता पूर्ण बोलिए। ( ५ )

प्रश्न ९ ( १० )

सूचना – भगवान महावीर का परिचय नीचे दिये हुए शब्दों की सहायता से पूरा कीजिए।

शब्द :- ३६,००० , निर्वाण भूमि, त्रिशला, साधना, गौतम स्वामी,
सिद्धार्थ, सिंह, ७२, तीर्थंकर, कुण्डलपुर

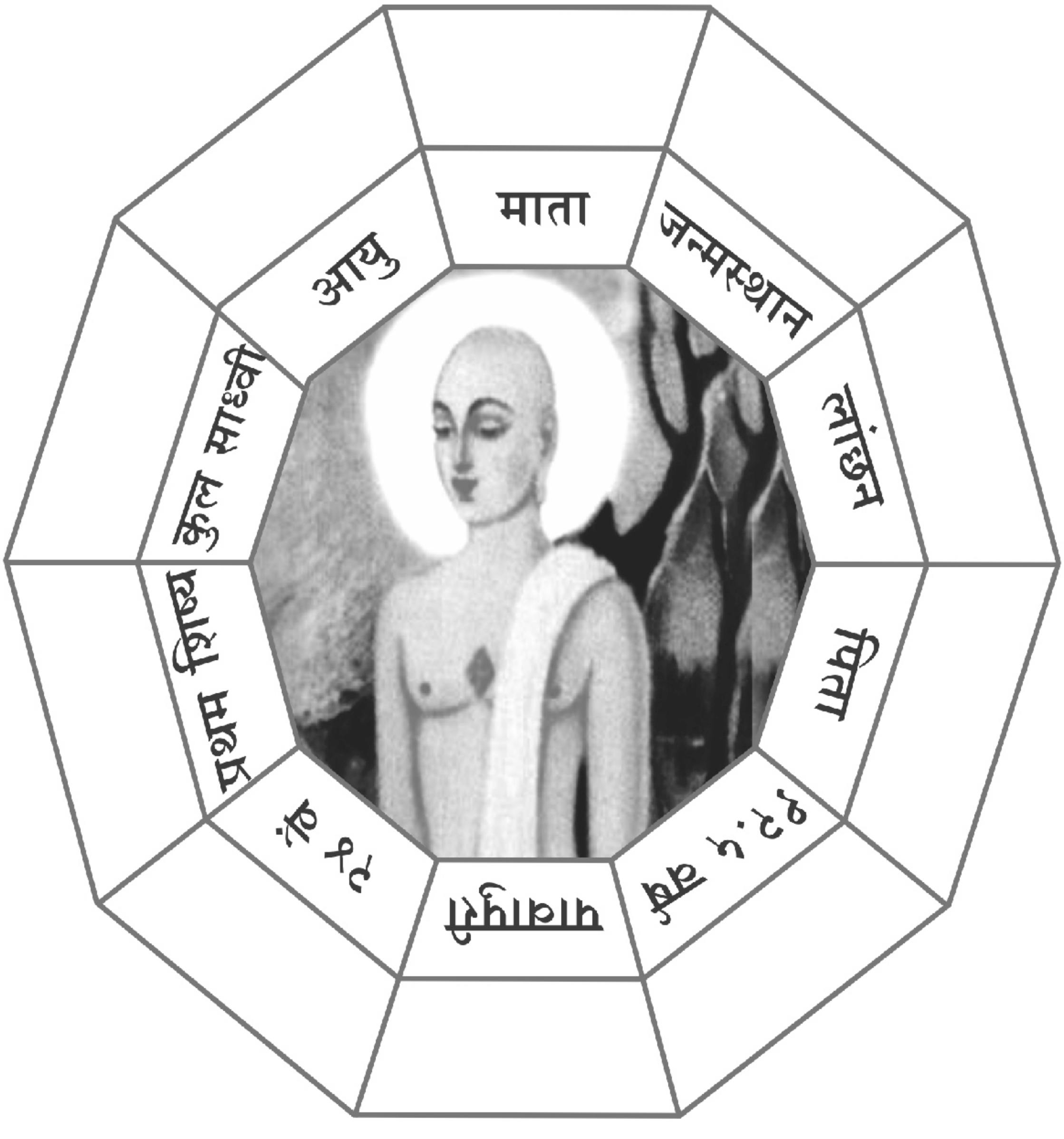

।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)**

## जैन सिद्धान्त परिचय

**वीर संवत् २५४८** | **तृतीय खण्ड - लेखी**

**सन् २०२३** | **समय : सुबह ९ से १२** | **सम्पूर्णांक : १००**

**परीक्षा क्रमांक :** ............ **केन्द्र का नाम :** ........................

---

### ( जैन पाठावली - भाग ३ )

**प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए।** **( ११ )**

१. सवैया में गुरु को सर्वप्रथम किसकी उपमा दी है? ........................
२. कुलकर्णी और देशपांडे ने किसपर करुणा की? ........................
३. जो स्वयं की प्रेरणा से दीक्षा लेते हैं उन्हें क्या कहते है? ........................
४. हर आत्मा में क्या बनने की शक्ति है? ........................
५. धर्मस्थानक का सबसे उचित नाम कौनसा है? ........................
६. गुरु आनंद की माता का नाम क्या था? ........................
७. हाथी ने पैर नीचे रखा तो किसके प्राण निकल जाएंगे? ........................
८. मनुष्य कहा रहते हैं? ........................
९. हस्तिनापुर नगर में किसका शासन था? ........................
१०. हमारे शत्रु कौन होते हैं? ........................
११. भगवान ने कौनसा धर्म साधु-साध्वीयों के लिए कहा है? ........................

**प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **( ९ )**

१. कभी भूलकर झूठ न बोले, ........................ न किसी को दिया करे।
२. चोर कौन? ........................ से कमाई करनेवाला।
३. मात-पिता और सभी बड़ों की, मन से ........................ किया करे।
४. ........................ मेरा लीजिए उपकार कीजिए।
५. ........................ तत्त्व के नौ प्रकार ये, जो प्राणी अपनाएंगे।
६. मन, वाणी, काया तीनों से, ........................ धर्म निभाऊंगा।
७. आचार्य पंचाचार पलाते, संघ ........................ संघ दिपाते।
८. वस्त्र हीन को वस्त्र दान दे, सफल ........................ का ज्ञान करो।
९. मेरे ........................ में ज्ञान का उजियार कीजिए।

**प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए।** **( ९ )**

१. धर्मस्थानक को प्राचीन समय में आराधना भवन कहते थे। ........................
२. दूसरों की सुरक्षा से अपनी सुरक्षा हो जाती है। ........................
३. सोते जागते वक्त अशुभ संकल्प करने चाहिए। ........................
४. धार्मिक विधियां घर पर करनी चाहिए। ........................
५. ध्यान-कायोत्सर्ग करना भी तप है। ........................
६. चलते समय जागृति रखनी चाहिए। ........................
७. ॐ णमो णाणस्स एक दर्शनवर्धक माला फेरे। ........................

७. तप त्याग की हार्दिक अनुमोदना करें। .........................

८. आत्मा ही परमात्मा है। .........................

**प्रश्न ४. ये किसने कहा, लिखिए। ( ५ )**

१. मेरा अपमान हो रहा है। मैं इसे सहन नहीं कर सकता। .........................

२. भंते! जीव सोता हुआ अच्छा या जागता हुआ? .........................

३. भगवान न तो हमें सुख देते हैं, न दुःख। .........................

४. क्या इनका जन्म स्वर्ग में होता है? .........................

५. पधारो मेघमुनि! क्या बात है? .........................

**प्रश्न ५. जोड लगाइए। ( १० )**

| अ-स्तंभ | | ब-स्तंभ | अ-स्तंभ | ब-स्तंभ |
|---|---|---|---|---|
| १. दोषाः | अ. | वाचं च। | १. | ........... |
| २. खामेमि | आ. | प्रयान्तु नाशं। | २. | ........... |
| ३. नित्यं | इ. | सव्वे जीवा। | ३. | ........... |
| ४. शरीरं चैव | ई. | फलति कालेन। | ४. | ........... |
| ५. तीर्थं | उ. | धर्मम्। | ५. | ........... |
| ६. विद्या | ऊ. | वृद्धोपसेविनः। | ६. | ........... |
| ७. धनाद् | ए. | त्वहोरात्रिं। | ७. | ........... |
| ८. न भयं | ऐ. | वितर्को। | ८. | ........... |
| ९. अधमस्य | ओ. | मुत्तमं। | ९. | ........... |
| १०. गइ सरण | औ. | चास्ति जाग्रतः। | १०. | ........... |

**प्रश्न ६. मनुष्य गति में जाने के कारण लिखिए। ( ४ )**

............................................ ............................................

............................................ ............................................

**प्रश्न ७. अंकों में जवाब लिखिए। ( ८ )**

१. भ. ने अपने जीवन में आचारण करने के लिए कितने प्रकार के धर्म बताये हैं? .........................

२. केवलज्ञान प्राप्ती के बाद भगवान कितने वर्ष तक धरतीपर विराजमान रहे? .........................

३. श्री ऋषभदेव भगवान ने लगभग कितने दिन की तपस्या की? .........................

४. कितने मित्र भगवान के मंदिर में दर्शन के लिये जा रहे थे? .........................

५. पू. गुरुदेव ने कितने वर्षों तक संयम का पालन किया? .........................

६. हर युग में कितने अरिहंत मुख्य होते हैं? .........................

७. सम्पूर्ण विश्व के कितने भाग होते हैं? .........................

८. चीटी को कितनी इन्द्रियां होती है? .........................

**प्रश्न ८. निम्न सूक्तियों को पूर्ण कीजिए।** **( ७ )**

१. ........................ धम्मं शरणं पवज्जामि।
२. धम्मो ........................ मुक्किट्ठं।
३. ........................ धर्मस्य हृदयम्।
४. धर्मो रक्षति ........................।
५. ........................ बिन घोर अंधार।
६. ........................ सो परमप्पा।
७. सर्वज्ञो ........................।

**प्रश्न ९. ये शब्द किसके बारे में आये हैं पहचानिए।** **( १२ )**

| देव | गुरु |
| --- | --- |
| .................................... | .................................... |
| .................................... | .................................... |
| .................................... | .................................... |
| .................................... | .................................... |
| .................................... | .................................... |
| .................................... | .................................... |

( **शब्दसूची –** अतिशय, स्वर्णकार, स्वयं संबुद्ध, नेतृत्व शक्ति, धर्म तीर्थंकर, देवाधिदेव, देशना, दीपक, स्नेहभाव, पू. आनंदऋषिजी म.सा., भ. महावीर, निर्मलता। )

**प्रश्न १०. निम्न सवालों के सूचनानुसार जवाब लिखिए।** **( १० )**

१. बेइन्द्रिय जीव किसे कहते हैं? और उसके २ उदाहरण लिखिए।

..........................................................................................
..........................................................................................

२. अप्काय किसे कहते हैं? और उसके २ उदाहरण लिखिए।

..........................................................................................
..........................................................................................

३. शरीर पर्याप्ति किसे कहते हैं? विस्तार से लिखिए।

..........................................................................................
..........................................................................................

४. रसनेन्द्रिय किसे कहते हैं?

..........................................................................................
..........................................................................................

५. सेब के फल की गति और काया लिखिए।

..........................................................................................
..........................................................................................

**प्रश्न ११. 'गलन् मधुरसा.........' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए।** **( ५ )**

..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................
..........................................................................................

सूचना – भगवान महावीर का परिचय नीचे दिये हुए शब्दों की सहायता से पूरा कीजिए।

शब्द :- ३६,००० , निर्वाण भूमि, त्रिशला, साधना, गौतम स्वामी,
सिद्धार्थ, सिंह, ७२, तीर्थंकर, कुण्डलपुर